वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा

एम .ए. हिन्दी पूर्वार्द्ध परीक्षा

एमएएचडी-01प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

अवधि 3 घंटे **अधिकतम अंक 80**

निर्देश : प्रश्न पत्र खण्ड अ, ब और स में विभाजित है। खण्ड 'अ' अतिलघूत्तरात्मक है, खण्ड 'ब' लघूत्तरात्मक एवं खण्ड 'स' में निबंधात्मक प्रश्न सम्मिलित हैं।

प्रश्न बैंक

खण्ड- अ

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न। अधिकतम शब्द सीमा 30 शब्द।

1. पृथ्वीराज रासो के रचयिता कौन थे और उन्होंने किस भाषा में यह काव्य ग्रंथ लिखा है?
2. रासो की मुख्य प्रवृत्ति वीरगाथात्मक है या श्रृंगारी-वृत्ति?
3. पृथ्वीराज रासो में कुल कितने छन्द हैं?
4. पृथ्वीराज और चंद्रबरदाई में क्या सम्बन्ध थे?
5. विद्यापति के प्रमुख तीन रचनाओं के नाम लिखिए ।
6. विद्यापति के प्रसंग में 'देसिल बैना' किसे कहा गया है ?
7. 'अभिनव जयदेव' और 'कविकंठहार' की उपाधि से किस कवि को विभूषित किया गया है ।
8. हिन्दी साहित्य के किस कवि को 'मैथिल कोकिल' के नाम से भी जाना जाता है?
9. लिखनावली किस विषय पर लिखी गई है ?
10. सखि कि पूच्छसी अनुभव मोय
11. कोई पिरीति अनुराग बखानिय
12. तिल-तिल नूतन होय । यह पंक्ति किस कवि की है?
13. विद्यापति को सर्वाधिक प्रसिद्धि किस काव्यरूप के कारण मिली है?
14. विद्यापति के प्रिय अलंकार कौन-कौन से हैं ?
15. कबीर ने ईष्वर को कहां खोजने की बात कही है?
16. आत्मा को जगाते हुए कबीर क्या कहते हैं?

17. कबीर को ईष्वर का कौन-सा रूप सर्वाधिक प्रिय है?
18. कबीर किस काव्यधारा के प्रतिनिधि कवि कहे जाते हैं?
19. कबीर के गुरु का नाम क्या है?
20. कबीर की वे रचनाएं, जिनमें लोक-विपरीत बातें कही गई हैं, वे क्या कहलाती हैं?
21. कबीर का पालन-पोषण किस जुलाहे ने किया था?
22. सन्तमत का प्रवर्तक किसे माना जाता है?
23. कबीर की भाषा क्या है?
24. ''बलिहारी गुरु आपने'' इसमें कबीर ने अपने गुरु की क्या विषेषता बतायी है?
25. ''सात समुंद की मसि करूं, गुरु गुन लिखा न जाय' इसमें कबीर ने गुरू के गुणों को न लिख पाने का क्या कारण बताया है?
26. बीजक किसके ग्रन्थ का नाम है?
27. ''मसि कागज छुओ नहीं, कलम गही नहिं हाथ' यह पंक्ति किस कवि की है?
28. अनलहक से क्या तात्पर्य है?
29. जायसी द्वारा रचित महाकाव्य का नाम लिखिए ।
30. जायसी ने महाकाव्य की रचना किस शैली में की है?
31. संसार में पतित-पावन नाम किसका है?
32. तुलसीदास ने सीता माता से अवसर पाने पर क्या करने को कहा?
33. तुलसीदास का वह ग्रन्थ जो उनके भक्त-रूप का उद्घाटन करता है?
34. श्रीकृष्ण गीतावली के रचना का नाम लिखिए ।
35. रामचरित मानस में प्रयुक्त शैली का नाम बताइए ।
36. तुलसीदास की दो महत्वपूर्ण कृतियों के नाम लिखिए ।
37. तुलसीदास किस भक्तिधारा के प्रतिनिधि कवि है?
38. तुलसीदास का जन्म एवं मृत्युस्थान का नाम लिखिए ।
39. ''दुलहनी गावहु मंगलचार'' किस कवि की पंक्ति है?
40. तुलसीदास के महाकाव्य का क्या नाम है?
41. तुलसीदास की भक्ति किस प्रकार की थी?
42. रामभक्ति से परिपूर्ण दो रचनाओं के नाम लिखिए ।
43. ज्ञानमार्गी शाखा के सबसे प्रमुख कवि कौन है?
44. प्रेममार्गी शाखा के उत्कृष्ट कवि का नाम लिखिए ।
45. रामभ्क्ति शाखा के प्रमुख कवि का नाम बताइए ।

46. कृष्णभक्ति शाखा के प्रमुख कवियों के नाम लिखिए ।
47. रीतिकाल की प्रमुख काव्यधाराएं कौन-कौन सी हैं?
48. रीतिकाल के दो रीति कवियों के नाम लिखिए ।
49. रीतिसिद्ध काव्यधारा के एक कवि का नाम लिखिए ।
50. रीतिमुक्त काव्यधारा के दो कवियों के नाम बताइए ।
51. सूरदास किस सम्प्रदाय या मार्ग के अनुयायी थे?
52. सूरदास की भक्ति किस प्रकार की थी?
53. किस भक्त-कवि को समन्वयवादी कहा जाता है?
54. सूरदास के पुष्टिमार्ग केा क्या कहा जाता था?
55. कविता में 'गागर में सागर' भरने की क्षमता किस कवि में है?
56. रामचन्द्र शुक्ल ने किस कवि के विरह-वर्णन को 'उछल-कूद' कहा है?
57. रीतिकाल के किस कवि की पूरी कविता दोहा और सोरठा छन्द में है?
58. 'सुजान-हित' की रचना किसने की है?
59. रीति-काल में वीररस की कविताओं के लिए प्रसिद्ध कवि कौन है?
60. सूरदास की रचनाओं के नाम बताइए ।
61. आधुनिक युग की मीरा किसे कहा जाता है?
62. वेदना की कवयित्री किसे कहा गया है?
63. रीतिकाल का कौन-सा कवि 'प्रेम की पीर' का गायक कहा जाता है?
64. गोपियों ने 'मधुकर' शब्द का प्रयोग किसके लिए किया है?
65. सूरदास रचित विरह-वर्णन के पदों के संग्रह का नाम क्या है और क्यों है?
66. गोपियों की आॅंखें किसकी भूखी थी?
67. सूर को सम्राट क्यों कहा गया है?
68. ''मेरे तो गिरधर गोपाल, दूसरो न कोई । जाके सिर मोर-मुकुट, मेरे पति सोई ।।''यह पंक्ैित किस कवि की है?
69. ''चार बांस चैबीस गज अंगुल अस्ट प्रमाण । ताही पर सुल्तान है अब मत चूके चैहान ।।'' यह पंक्ति किसने किसके सम्बन्ध में कही है ?
70. घनानन्द किसके दरबारी कवि थे ?
71. भूषण की प्रसिद्धि का कारण क्या है?
72. भूषण की मूलतः रचनाएॅं किस प्रकार की हैं?
73. मीरा की दो कृतियों के नाम लिखिए ।

74. मीरा का जन्म कब और कहाॅं हुआ था?
75. भूषण के काव्य का आलम्बन कौन-से महापुरुष थे?
76. भूषण द्वारा रचित दो काव्यग्रंथों के नाम लिखिए ।
77. घनानंद ने किसके प्रति अषिष्टता दिखाई?
78. घनानंद ग्रंथावली की भूमिका किसने लिखी?
79. घनानंद ने स्नेह के मार्ग को कैसा माना है?
80. घनानंद के दो प्रिय छंदों के नाम लिखिए ।
81. घनानंद की नायिका का नाम क्या है?
82. पद्माकर ने कितने प्रकार के काव्यग्रंथों की रचना की है?

वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा

एम .ए. हिन्दी पूर्वार्द्ध परीक्षा

एमएएचडी-01प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

अवधि 3 घंटे **अधिकतम अंक 80**

निर्देश : प्रश्न पत्र खण्ड अ, ब और स में विभाजित है। खण्ड 'अ' अतिलघूत्तरात्मक है, खण्ड 'ब' लघूत्तरात्मक एवं खण्ड 'स' में निबंधात्मक प्रश्न सम्मिलित हैं।

प्रश्न बैंक

खण्ड- ब

लघूत्तरात्मक प्रश्न

शब्द सीमा 100-150 शब्द

1. पृथ्वीराज रासो के विवादास्पद होने का क्या कारण है?
2. चंद के व्यक्तित्व और कृतित्व का क्या महत्व है?
3. पृथ्वीराज रासो को प्रामाणिक और अप्रामाणिक मानने वाले आलोचकों के सतर्क अलग-अलग नाम लिखिए ।
4. पृथ्वीराज की कितनी पत्नियां थीं और उनका विवाह किस प्रकार से हुआ था?
5. पृथ्वीराज रासो पर एकाग्र किन्हीं तीन महत्वपूर्ण पुस्तकों के नाम लिखिए तथा उनकी महत्ता प्रतिपादित कीजिए ।
6. विद्यापति और जयदेव की रचना का मूल अंतर बताइए ।
7. विद्यापति को कौन-कौन सी उपाधियां मिलीं और क्यों?
8. विद्यापति की पांच रचनाओं के नाम उनकी विषिष्टताओं के साथ लिखिए ।
9. जनभाषा को काव्यभाषा बनाने में विद्यापति की निपुणता पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए ।
10. विद्यापति को अपरूप का कवि क्यों कहा जाता है?
11. विद्यापति की काव्य संवेदना का मूल्यांकन कीजिए ।
12. कबीर काव्य की प्रासंगिकता पर टिप्पणी लिखिए ।
13. भारतीय चिन्तन परंपरा में ईष्वर के स्वरूप को लेकर क्या धारणा है?
14. कबीर बैकुंठ के बारे में क्या कहते हैं? 100 शब्दों में लिखिए ।

15. सहज समाधि के विषय में कबीर के विचारों पर टिप्पणी लिखिए ।
16. कर्मकाण्डों का विरोध करते हुए कबीर ने क्या कहा है? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।
17. कबीर की काव्य परंपरा पर टिप्पणी लिखिए ।
18. कबीर के ईष्वर और मनुष्य की एकता संबंधी विचार लगभग 150 शब्दों में लिखिए ।
19. कबीर मनुष्य को गर्व न करने के लिए क्यों कहते हैं? सोदाहरण लिखिए ।
20. कबीर ने संसार को सैमल के फूल के समान क्यों कहा है? इसके पीछे उनका क्या मंतव्य है, स्पष्ट कीजिए ।
21. सतगुरु की सरल बातों का कबीर पर क्या प्रभाव पड़ा? स्पष्ट कीजिए ।
22. शरीर की क्षण-भंगुरता को व्यक्त करने के लिए कबीर ने उसकी उपमा कच्चे घड़े से क्यों दी है? सोदाहरण समझाइए ।
23. ईष्वर सभी मनुष्यों के अंतर्जगत में विद्यमान है, पर मनुष्य उसके अस्तित्व को अनुभव नहीं करते, इस भाव को व्यक्त करने के लिए कबीर ने कौन-सा दृष्टान्त चुना है और क्यों?
24. नागमती के विरह में प्रकृति किस प्रकार दुःखी दिखाई गई है? लगभग 100 शब्दों में लिखिए ।
25. जायसी के जन्मस्थान के बारे में विद्वानों के मतों का उल्लेख कीजिए ।
26. मसनवी शब्द से क्या अभिप्राय है? इसका शाब्दिक अर्थ लिखिए ।
27. पद्मावत समासोक्ति है अथवा अन्योक्ति स्पष्ट कीजिए ।
28. उदाहरण देते हुए बताइए जायसी के विरह वर्णन में सात्त्विकता की प्रधानता है ।
29. पद्मावत के लोक तत्व पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए ।
30. प्रबंध-सौष्ठव की दृष्टि से जायसी के 'पद्मावत' की समीक्षा कीजिए ।
31. ''जायसी मूलतः प्रेम और सौंदर्य के कवि हैं ।'' उक्ति की समीक्षा कीजिए ।
32. सूर और तुलसी की समानता स्पष्ट कीजिए ।
33. तुलसी के काव्य रूप एवं काव्यभाषा पर प्रकाष डालिए ।
34. तुलसी की लोक समन्वय साधना पर टिप्पणी लिखिए ।
35. तुलसी की रामराज्य की कल्पना पर अपना मंतव्य प्रकट कीजिए ।
36. तुलसी की आत्मानुभूति के विविध पक्षों को स्पष्ट कीजिए ।
37. तुलसी की काव्यानुभूति का आधार क्या है? स्पष्ट कीजिए ।
38. तुलसीदास के सामाजिक संकट बोध पर सार्थक विचार लिखिए ।

39. प्रभु श्रीराम की उपेक्षा करने वालों का त्याग किन-किन भक्तों ने किया है, सतर्क टिप्पणी कीजिए ।
40. सूर का 'भ्रमरगीत' सर्वोत्कृष्ट रचना है । इस कथन पर अपने विचार प्रकट कीजिए।
41. क्या कारण है कि साहित्य में 'मानस के बाद 'बिहारी सतसई' को महत्व मिला है?
42. बिहारी का वह कौन-सा प्रसिद्ध दोहा है जिसने मिर्जा जयसिंह का जीवन बदल डाला और बिहारी को अपनी सतसई की रचना करने की प्रेरणा प्राप्त हुई?उसका भावार्थ लिखिए ।
43. बिहारी-सतसई पर मूल रूप से किन सतसइयों का प्रभाव पड़ा है?उनका परिचय दीजिए ।
44. बिहारी की भाषा साहित्यिक क्यों है?स्पष्ट कीजिए ।
45. पद्माकर की काव्य-भाषा पर प्रकाष डालिए ।
46. पद्माकर के काव्य में 'रस' विषय पर अपने विचार लिखिए ।
47. पद्माकर की रचनाओं के नाम लिखते हुए उनके कलापक्ष की चर्चा कीजिए ।
48. पद्माकर की भक्ति भावना पर प्रकाष डालिए ।
49. कोयल को पद्माकर ने 'कारी कुरूप कसाइने' क्यों कहा है?
50. जीवन की सार्थकता के सम्बन्ध में कवि पद्माकर का क्या मत है?
51. डाॅ. बच्चन सिंह ने पद्माकर के विषय में क्या कहा है?
52. मीराबाई की गीतात्मकता हिन्दी साहित्य की अमूल्य निधि क्यों मानी जाती है?
53. एक सफल गीतिकाव्य की दृष्टि से मीरा के काव्य की समीक्षा कीजिए ।
54. हिन्दी साहित्य में भूषण का स्थान निर्धारित करते हुए उनके साहित्यिक अवदान को रेखांकित कीजिए ।
55. ब्रजनाथ ने घनानंद को ब्रजभाषा-प्रवीण और भाषा-प्रवीण क्यों कहा है-इसका तर्कसंगत उत्तर दीजिए ।
56. निम्नांकित पद्यांषों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए-

क/ कूलन में केलि में कछारन में कुंजन में,
क्यारिन में कलित कलीन किलकंत है ।
कहै पद्माकर परागन में पौनहू में,
पातन में में पिक में पलासन पगंत है ।
द्वारे में दिसान में दुनी में देस देसन में,
देखौ दीपदी पन में दीपत दिगंत है ।
बीथिन में ब्रज में नवेलिन में बेलिन में,

बनन में बागन में बगर्यो बसंत है ।

ख/ भाल लाल बेंदी, ललन आखत रहे बिराजि ।

इन्दुकला कंुज मैं बसी मनौ राहु-भय भाजि ।।

कनक कनक तैं सौगुनौ मादकता अधिकाइ ।

उहिं खाऐं बौराइ, षइहिं पाऐं हीं बौराइ ।।

57. निम्नांकित पद्यांषों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए-

क/ ''भोर ते सांझ लौ कानन ओर निहारति बावरी नेकुन हारति ।

सांझ तें भोर लौं तारनि ताकिबो तारनि सों इकतार न टारति ।

जौ कहूं भावतो दीठि परै घनआनंद आसुंनि औसर गारति ।

मोहन-सोहन जोहन की लगियै रहै आंखिनि के उर आरति ।।''

ख/ माधव कत तोर करब बड़ाई ।

उपता जाकर कहब ककरा हुम, कहितहुं अधिक लजाई ।।

जहों सिरिखंड सौरभ अति दुरलभ, नओं पुनि काठ कठोरे ।

जओं जगदीस निसाकर तहों पुनि, एकहि पच्छ उजोरे ।।

58. निम्नांकित पद्यांषों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए-

क/ छिन्नं बासुर सीत दिघ्घ निसया । सीतं जनेत बने ।

सेजं सज्जर बानया बनितया, आनंग आलिंगने ।

यों बाला तरुनी वियोग पतन, नलिनी दहनते हिमं ।

या मुक्के हिमवंत मन्त गमने, प्रमदा निरालंबन ।

ख/ समुद रूप गोरी सुबर । पंग ग्रेह भय कीन ।।

चाहु आन तिन बिबध कै । सो ओपम कवि लीन ।।

सो ओपम कवि लीन । समर कग्गद लिय हथ्थं ।।

भिरन पुच्छि बट सुरंग । बंधि चतुरंग रजथ्थं ।।

समर सु मुक्कलि सोर । लोह फुल्यो जस कुमुदं ।।

रा चावंड जैतसी । रा बड़ गुज्जर समुदं ।।

59. निम्नांकित पद्यांषों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए-

क/ मोको कहां ढूढ़े बन्दे, मैं तो तेरे पास में ।

ना मैं देवल ना मैं मसजिद, ना कावे कैलास मंे ।

ना तो कौनो क्रिया-कर्म में, नहीं योग बैराग में ।

खोजी होय तो तुरतै मिलि हों, पल भर की तलास में ।

ख/ साधो भाई, जीवत करो आसा ।

जीवन समझे जीवत बूझे, जीवन मुक्तिनिवासा ।।

जीवन मरन की फाॅंसन काटी, मुये मुक्ति की आसा ।।

तन छूटे जिव मिलन कहत है, सो सब झूठी आसा ।।

60. निम्नांकित पद्यांषों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए-

क/ पीछे लागा जाइ था, लोक वेद के साथि ।

आगे थैं सतगुरू मिल्या, दीपक दीया हाथि ।।

दीपक दीया तेल भरि, बाती दई अघट्ट ।

पूरा किया बिसाहु णा, बहु रि न आवौं हट्ट ।

ख/ भा भादौं दूभर अति भारी । कैसे भरौं रैनि अँधियारी ।।

मंदिर सून पिउ अनतै बसा । सेज नागिनी फिरि फिरि डसा ।।

रहौं अकेलि गहे एक पाटी । नैन पसारि मरों हिय फाटी ।

चमकि बीजु घन गरजि तरासा । बिरह काल होइ जीउ गरासा ।।

61. निम्नांकित पद्यांषों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए-

क/ नागमति चितउर पथ हेरा । पिउ जो गए कीन्ह न फेरा ।

नागर कान्दहु नारि बस परा । तेई मोर पिउ मोसौं हरा ।।

सारस जोरी कौन हरि, मारि बियाधा लीन्ह ।

झुरि झुरि पींजर हौं भई, बिरह काल मोहि दीन्ह ।।

ख/ जेहि पंखी के निअर होइ, कहै बिरह कै बात ।

सोई पंखी जाइ जरि, तरिवर होइ निपात ।
नहिं पावस होहि देसरा, नहिं हेवंत बसंत ।
ना कोकिल न पपीहरा, जेहि सुनि आवै कंत ।।

62. निम्नांकित पद्यांषों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए-

क/ खेती न किसान को भिखारी को न भीख बलि
बनिक को बनिज न चाकर को चाकरी ।
जीविकाविहीन लोग सीद्यमान सोचबस
कहैं एक एकन सो कहां जाई का करी ।
बेद हूं पुरान कही लोकहू बिलोकियत
सांकरे समै पै राम रावरे कृपा करी ।

ख/ पुर तें निकसीं रघुवीर बधू धरि धीर दये मग में डग द्वै ।
झलकीं भरि भालकनी जल की पुट सूखि गये मधुराधर वै ।
फिरि बूझति है चलनो अब केतिक पर्न कुटी करिहौ कित छ्वै ।
तिय की लखि आतुरता पिय की अंखियां अति चारु चली जल च्वै ।।

63. निम्नांकित पद्यांषों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए-

क/ अबलौं नसानी अब न नसैहौं ।
रामकृपा भव निसा सिरानी जागे फिरि न डसौंहौं ।।
पायेउ नाम चाह चिंतामनि उर करते न खसैहोैं ।
स्याम रूप रुचि रुचिर कसौटी चित कंचनहिं कसैहौं ।।
ख/ जाउँ कहाॅं तजि चरन तुम्हारे ।
काको नाम पतित पावन जग केहिं अतिदीन पियारे ।।

कौने देव बराइ विरद हित हठि हठि अधम उधारे ।
खग मृग व्याध पषान विटप जड़ जवन कवन सुर तारे ।।

64. निम्नांकित पद्यांषों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए-

क/ आयो घोष बड़ो ब्योपारी ।
लादि खेप गुन ज्ञान-जोग की, ब्रज में आय उतारी ।।
फाटक दै कर हाटक माॅंगत, भोरै निपट सु धारी ।
धुर ही तै खोटौ खायो है, लये फिरत सिर भारी ।।

ख/ निरगुन कौन देस को बासी?
मधुकर! हँसि समुझाय, साॅंह दै बूझति साॅंच, न हाॅंसी ।
को है जनक, जननि को कहियत, कौन नारि को दासी ।।
कैसो बरन, भेस है कैसो, केहि रस में अभिलासी ।।

65. निम्नांकित पद्यांषों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए-

क/ उधो ! मन नाहीं दस बीस ।
एक हुतो सो गयो हरि के सँग, को अराधै तुव ईस ?
भइँ अति सिथिल सबै माधव बिनु, जथा देह बिन सीस ।
स्वासा अटकि रहे आसा लगि, जीबहिं कोटि बरीस ।।

ख/ उधो ! मोहि ब्रज बिसरत नाहीं
हंससुता की सुन्दरि कगरी, अरू कुंजन की छाहीं ।
वै सुरभी, वै बच्छ दोहनी, खरिक दुहावन जाहीं ।
ग्वाल-बाल सब करत कुलाहल, नाचत गहि-गहि बाहीं
यह मथुर कंचन की नगरी, मनि-मुक्ताहल आहीं ।।

66. निम्नांकित पद्यांषों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए-

क/ माई री म्हां लियां गोविन्दा मोल ।
थे कहां म्हां कों चोड्डे, लिया बजंता ढोल ।
थे कह्यां मुंहघे म्हां कह्यां सुस्तो, लिया री तराजां तोल ।

तण वारां म्हां जीवन वारां, वारां अमोलक मोल ।।

ख/ देखियत कालिंदी अति कारी ।

कहियो, पथिक ! जाय हरि सौं ज्यों भई बिरह-जुर-जारी ।

मनो पलिका पै परी धरनि धँसि तरंग तलफ तनु भारी ।

तट बारू उपचार-चूर मनो, स्वेद-प्रवाह पनारी ।।

67. निम्नांकित पद्यांषों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए-

क/ म्हारां री गिरधर गोपाल दूसरां णाॅं कूयाॅं ।

दूसरा णाॅं कूयाॅं साधाॅं सकल लोक जूयाॅं ।

भाया छाॅड्याॅं बन्धा छाॅंड्याॅं, छाॅड्याॅं सगाॅं सूयाॅं ।

साधाॅं ढिग बैठ बैठ, लोक लाज खूयाॅं ।

भगत देख्याॅं राजी हायाॅं, जगत देख्याॅं रूयाॅं ।

ख/ पग बाॅंध घुंघरयां णाच्यां री ।

लोग कहां मीरा बावरी सासू कह्या कुलनासी री ।

बिख रो प्याली राणा भेज्यां पीवां मीरा हांसां री ।

तण मण बार्यां हरि चरणां मां दरसण अमरित पास्यां री ।

मीरा रे प्रभु गिरधर नागर थारी शरणां आस्यां री ।।

68. निम्नांकित पद्यांषों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए-

क/ तौ पर वारौं उरबसी, सुनि राधिके सुजान ।

तू मोहन कैं उर बसी, हैं उबसी-समान ।।

पाइ महावर दैंन कौं नाइनि बैठी आइ ।

फिरि फिरि, जानि महावरी, एड़ी मीड़ति जाइ ।।

ख/नर की अरू नल-नीर की गति एकै करि जोइ ।

जेतौ नीची हैं चलै, तैतौ उँचै होइ ।।

नहिं पराग, नहिं मधुर मधु, नहिं विकास इहि काल ।

अली, कली, ही सौं बंध्यौ, आगे कौन हवाल ।।

69. निम्नांकित पद्यांषों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए-

क/ पत्रा ही तिथि पाइयैं वा घर कैं चहुं पास ।
नितप्रित पून्यौई रहै, आनन-ओप-उजास ।।
कहत, नटत, रीझत, खिझत, मिलत, खिलत लजियात ।
भरे भौन में करत हैं, नैननु हीं सब बात ।।

ख/ कारी कूर कोकिला ! कहां को बैर काढ़ति री,
कूकि कूकि अबही करेजो किन कोरि लै ।
जै लौ करैं आवन बिनोद वरसावन वे,
तौ लौं रे डरारे बजमारे घन घोरि लै ।।

70. निम्नांकित पद्यांषों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए-

क/ ''चंद चकोर की चाह करै, घनआनंद स्वाति पपीहा को धावै ।
ज्यों त्रसरैनि के ऐन बसै रबि, मीन पै दीन ह्वै सागर आवै ।
मोसों तुम्हें सुनौ जान कृपानिधि नेह निबाहिबो यो छबि पावै ।
ज्यों अपनी रुचि राचि कुबेर सुरंकहिं लै निज अंक बसावै ।।''

ख/ ''अति सूधो सनेह को मारग है, जहां नेकु सयानप बाँक नहीं ।
तहां सांचे चलै तजि आपनपौ झझकैं कपटी जे निसांक नहीं ।
घनआनंद प्यारे सुजान सुनौ यहां एकते दूसरो आँक नहीं ।
तुम कौन धौं पाटी पढ़े हौ कहौ मन लेहु पै देहु छटाँक नहीं ।।''

71. निम्नांकित पद्यांषों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए-

क/ मेरी भवबाधा हरौ, राधा-नागरि सोइ ।
जा तन की झांई परैं, स्यामु हरित दुति होइ ।।
तंत्री नाद कबित्त रस, सरस राग, रति रंग ।
अनबूडे बूड़ें तरे, जे बूडे सब अंग ।।

ख/ बिन गोपाल बैरिन भई कुंजै ।

तब ये लता लगति अतिसीतल, अब भई विषम ज्वाल की पुंजै ।

वृथा बहति जमुना, खग बोलत, वृथा कमल फूलै, अति गंुजै ।

पवन पानि घनसार संजीवनि दधिसुत किरन भानु भई भुंजै ।।

72. निम्नांकित पद्यांषों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए-

क/ पाइ महावर दैंन कौं नाइनि बैठी आइ ।

फिरि फिरि, जानि महावरी, एड़ी मीड़ति जाइ ।।

दीरघ साॅंस न लेहि दुख, सुख साईंहिं न भूलि ।

दई दई क्यों करतु हैं, दई सु कबूलि ।।

ख/ जाके प्रिय न राम वैदेही

तजिये ताहिं कोटि बैरी सम यद्यपि परम सनेही ।।

तज्यो पिता प्रहलाद विभीषन बंधु भरत महतारी ।

बलि गुरु तज्यो कंत ब्रज बनितन्हि भये मुद मंगलकारी ।।

वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा
एम .ए. हिन्दी पूर्वार्द्ध परीक्षा
एमएएचडी-01प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

अवधि 3 घंटे **अधिकतम अंक 80**

निर्देश : प्रश्न पत्र खण्ड अ, ब और स में विभाजित है। खण्ड 'अ' अतिलघूत्तरात्मक है, खण्ड 'ब' लघूत्तरात्मक एवं खण्ड 'स' में निबंधात्मक प्रश्न सम्मिलित हैं।

प्रश्न बैंक

खण्ड- स

निबन्धात्मक प्रश्न

शब्द सीमा 400-500 शब्द

1. महाकवि चंद को एक साथ शक्ति और वाणी का कवि क्यों कहा जाता है? सप्रमाण इस कथन की पुष्टि कीजिए ।
2. पृथ्वीराज रासो की कथा की प्रामाणिकता पर विचार कीजिए ?
3. पृथ्वीराज रासो को राजनीति की महाकाव्यात्मक त्रासदी कहा जाता है, इस कथन की सार्थकता सिद्ध कीजिए ।
4. पृथ्वीराज रासो महाकाव्य होते हुए भी हिन्दी का 'क्लासिक काव्य' कहलाने का गौरव प्राप्त कर सकता है । इस कथन का अभिप्राय स्पष्ट कीजिए ।
5. पृथ्वीराज रासो की कथानक रूढियों पर विस्तार से विवेचना कीजिए ।
6. मैथिल पुनर्जागरण के इतिहास में विद्यापति का स्थान निर्धारित कीजिए ।
7. विद्यापति का युग दरबारी और राज्याश्रित कवियों का युग माना जाता है? इस कथन की विवेचना कीजिए ।
8. विद्यापति दरबारी होते हुए भी भक्त, शैव शाक्त या वैष्णव होते हुए भी धर्मनिरपेक्ष थे। एक संस्कारी ब्राम्हण परिवार में जन्म लेने के बावजूद विवेक और मर्यादा बोझिल नहीं थे । इस कथन की युक्तियुक्त विवेचना कीजिए ।
9. विद्यापति को हिन्दी गीति काव्य परंपरा का प्रवर्तक कवि क्यों माना गया है? सप्रमाण उत्तर दीजिए ।

10. सिद्ध कीजिए कि विद्यापति सौंदर्य के कवि हैं?
11. विद्यापति को साधक भक्त माना जाए अथवा श्रृंगारी कवि इस प्रष्न को लेकर आलोचकों में सदा मतभेद रहा है । इस सम्बन्ध में आपके क्या विचार है? स्पष्ट कीजिए ।
12. ''कबीर ने सामाजिक आडम्बरों का विरोध करके अपने काव्य को लोकप्रिय बनाने में सफलता प्राप्त की थी ।'' इस उक्ति की सप्रमाण समीक्षा कीजिए ।
13. कबीर के काव्य के दार्षनिक पक्ष का निरूपण कीजिए ।
14. ''कबीर के काव्य पर पूर्ववर्ती सिद्ध और नाथमत का प्रभाव दृष्टिगोचर होता है ।'' इस उक्ति की विवेचना कीजिए ।
15. ''कबीर हिन्दी के सर्वश्रेष्ठ रहस्यवादी कवि हैं ।'' विवेचना कीजिए ।
16. ''महात्मा कबीर ने अपने समय में धार्मिक पाखण्ड एवं कुरीतियों को दूर करने तथा पारस्परिक विरोध मिटाने का सफल प्रयास किया है ।'' इस कथन की सोदाहरण पुष्टि कीजिए ।
17. सिद्ध कीजिए कि कबीर कवि पीछे समाज सुधारक पहले हैं ।
18. फारसी सूफी काव्य और हिन्दी सूफी काव्य का अंतर स्पष्ट कीजिए ।
19. पद्मावत सूफी काव्य है अथवा प्रेम काव्य है । सिद्ध कीजिए ।
20. सप्रमाण सिद्ध कीजिए कि 'पद्मावत' में इतिवृत्तात्मकता और रसात्मकता का मणिकांचन योग है ।
21. सूफी काव्यधारा की विषेषताओं का विष्लेषण कीजिए और सूफी शब्द की व्युत्पत्ति व अर्थ का स्पष्ट कीजिए ।
22. 'पद्मावत' के आधारा पर जायसी के काव्य सौंदर्य का मूल्यांकन कीजिए ।
23. जायसी के पद्मावत में वियोग वर्णन की सोदाहरण समीक्षा कीजिए ।
24. ''पद्मावत में लौकिक एवं आध्यात्मिक प्रेम का समन्वित प्रतिपादन है ।'' कथन की पुष्टि कीजिए ।
25. ''जायसी का विरह-वर्णन हिन्दी साहित्य की एक अनुपम निधि है ।'' इस कथन की सोदाहरण पुष्टि कीजिए ।
26. ''जायसी का विरह-वर्णन कहीं-कहीं अत्यन्त अत्युक्तिपूर्ण होने पर भी मजाक की हद तक नहीं पहुंचा है उसका गाम्भीर्य बना हुआ है ।' शुक्ल जी के इस कथन की समीक्षा कीजिए ।
27. जायसी के पद्मावत में भावपक्ष और कलापक्ष का सुन्दर समन्वय हुआ है ।' इस कथन की समीक्षा कीजिए ।

28. मनुष्य के मन की मूढ़ता का वर्णन कवि ने किन शब्दों में किया है? माया का बोध हो जाने पर भक्त क्या करता है?
29. संसार की निस्सारता का वर्णन किस रूप में करना है? सोदाहरण लिखिए ।
30. राम की उदारता वर्णित करते हुए कवि क्या कहता है?सतर्क विवेचना कीजिए ।
31. भ्रमरगीत को उपालम्भ काव्य कहना ही उचित लगता है । इस कथन का औचित्य प्रतिपादित कीजिए ।
32. ''सूर का विप्रलम्भ-श्रृंगार सूक्ष्म मानवी अन्तर्दषाओं का रसपूर्ण एवं कलात्मक चित्रण है ।'' इस कथन की समीक्षा कीजए ।
33. ''सूरदास का प्रकृति-चित्रण मानव-भावनाओं के रंग में रँगा हुआ है, शुद्ध और निरपेक्ष वर्णन नहीं है ।'' कथन की समीक्षा कीजिए ।
34. ''सूरदास के काव्य में लोकजीवन का सम्पूर्ण चित्र मिल जाता है ।'' सोदाहरण इस कथन की पुष्टि कीजिए ।
35. सूरदास के काव्य में भावपक्ष एवं कलापक्ष का सुंदर समन्वय हुआ है सोदाहरण विवेचना कीजिए ।
36. ''सूरदास जन्मांध थे अथवा बाद में अंधे हुए । इस विषय पर अपना मत स्पष्ट कीजिए
37. अन्तःसाक्ष्य एवं बहिर्साक्ष्य के आधार पर महाकवि सूर का व्यक्तित्व एवं कृतित्व चित्रित कीजिए ।
38. बिहारी सतसई की लोकप्रियता के कारणों पर प्रकाष डालिए ।
39. ''बिहारी का वास्तविक महत्व अनुभावों और हावों की सफल योजना में है ।'' इस कथन की सार्थकता प्रमाणित कीजिए ।
40. ''बिहारी ने वियोग की विभिन्न दषाओं-विषेषतः दुर्बलता और विरह ताप के चित्रण में अधिकांषतः वास्तविकता की सीमा का उल्लंघन कर दिया है ।'' इस कथन से अपनी सहमति या असहमति सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।
41. ''बिहारी ने गागर में सागर भरने का सफल प्रयास किया है ।'' इस कथन के औचित्य पर सोदाहरण प्रकाष डालिए ।
42. बिहारी को रीतिसिद्ध कवि क्यों कहा जाता है, इस कथन का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए ।
43. रीतिकाल का प्रतिनिधि कवि बिहारी को कहा जा सकता है या नहीं? तर्कसम्मत विवेचना कीजिए ।
44. पद्माकर के काव्य में 'रस परम्परा' पर प्रकाष डालिए ।

45. पद्माकर के ऋतु वर्णन पर टिप्पणी लिखिए ।
46. ''अधिकांष रीतिकालीन कवियों की कविता में लोकजीवन की अभिव्यक्ति का अभाव है किन्तु पद्माकर इसके अपवाद हैं ।'' कथन की समीक्षा कीजिए ।
47. ''पद्माकर के काव्य में रीतिकालीन कविता की सभी विषेषताएं उपलब्ध होती है ।'' इस कथन की सोदाहरण समीक्षा कीजिए ।
48. रीतिकालीन प्रकृति चित्रण की पृष्ठभूमि में पद्माकर के प्रकृति चित्रण की विषेषताओं को स्पष्ट कीजिए ।
49. पद्माकर ने यौवन और रूप के जो सौंदर्य चित्र अंकित किए हैं, उनका महत्व बताइए ।
50. पद्माकर की कविता के लोकपक्ष पर विषद् रूप से विचार कीजिए ।
51. शेषनाग और वराह की अंतर्कथाएं लिखिए तथा गंगा की उत्पत्ति के सम्बन्ध में प्रचलित लोक रूढ़ियों को स्पष्ट कीजिए ।
52. ''मीरा का विरह मार्मिक एवं गंभीर है।'' इस कथन के संबंध में अपना तर्कयुक्त मत दीजिए ।
53. ''मीराबाई के हृदय में वेदना की अमित धाराएं तरंगित हैं, जो इनकी विरहाभिव्यक्ति में बड़े ही मार्मिक ढंग से फूट पड़ी हैं ।'' इस कथन के औचित्य पर प्रकाष डालिए।
54. भक्ति का स्वरूप स्पष्ट करते हुए मीराबाई के काव्य में निरूपित भक्ति के विविध रूपों पर प्रकाष डालिए ।
55. मीरा की भक्ति में उनके जीवनानुभवों की सच्चाई और मार्मिकता है, इस कथन से आप कहाँ तक सहमत हैं । सोदाहरण विवेचना कीजिए ।
56. मीरा के विरह में उनके लौकिक जीवन के अभाव के पक्ष की गहरी भूमिका है, इस कथन के आधार पर उसकी विषेषताओं पर प्रकाष डालिए ।
57. मीरा की भाषा के वैषिष्ट्य एवं उनके काव्य में लोकतत्व विषय पर प्रकाष डालिए ।
58. मीराबाई के पदों के आधार पर उनके जीवन संघर्ष का उल्लेख कीजिए ।
59. मीराबाई की कृष्ण के प्रति भक्ति और समर्पण भावना पर विषद् रूप से प्रकाष डालिए ।
60. मीराबाई पर मेवाड़ के राणा कुल के द्वारा किए गए अत्याचारों का विवरण दीजिए ।
61. ''भूषण वीररस और ओज के कवि हैं'' सिद्ध कीजिए ।
62. सिद्ध कीजिए कि भूषण का काव्य कलात्मक दृष्टि से परिपूर्ण काव्य है ।
63. रीतिकालीन कवियों में भूषण का स्थान निर्धारित कीजिए ।
64. भूषण की राष्ट्रीय भावना पर निबन्ध लिखिए ।
65. भूषण के काव्य में गुण्दोष एवं अलंकार विवेचन पर टिप्पणी लिखिए ।

66. ''चाह के रंग में भीज्यो हियो विछुरे मिले प्रीतम शांति न मानैं-इस कथन को केन्द्र में रखकर घनानन्द के काव्य में चित्रित विषेषताओं पर प्रकाष डालिए ।
67. घनानन्द द्वारा सौन्दर्य चित्रण में अपनायी गयी मूल दृष्टि स्पष्ट कीजिए ।
68. मुहावरों के प्रयोग से घनानन्द को अभिव्यक्ति में क्या सहायता मिली है? विस्तारपूर्वक लिखिए ।
69. ''मौन मधि पुकार' को केन्द्र में रखकर घनानन्द द्वारा चित्रित एकतरफा प्रेम की पीर का सोदाहरण परिचय दीजिए ।
70. सिद्ध कीजिए कि घनानन्द रीतिकाल के प्रतिनिधि कवि हैं ।